

वेद प्रकाश

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Ved Prakash

Chairman & Managing Director



## अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का हिंदी दिवस पर संदेश

14 सितंबर का दिन केंद्र सरकार के सभी संगठनों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 1949 में इस दिन हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था तथा बाद में 26 जनवरी, 1950 को देश का संविधान लागू होते ही हिंदी संघ की राजभाषा बन गई। इस दिन के महत्व को समझते हुए संघ के सभी संगठनों में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। एमएमटीसी भी अपने सभी कार्यालयों में इस अवसर को हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़े के रूप में मनाती है तथा इस दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित करती है।

2. हमारा देश विभिन्नताओं का देश है जिसमें अनेक भाषाएं व बोलियां व्यवहार में लाई जाती हैं। हिंदी एक संपर्क भाषा की भूमिका निभाते हुए देश की सभी भाषाओं को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है। हिंदी देश की संस्कृति के मूल तत्वों में रची-बसी होने के कारण देश की एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करती है।

3. केंद्र सरकार का संगठन होने के नाते एमएमटीसी में भी राजभाषा हिंदी को व्यवहार में लाना हमारी प्रतिबद्धता है तथा इस संबंध में सरकार की राजभाषा नीति तथा उससे जुड़े सभी निर्देशों का पालन करना हमारा कर्तव्य है। हम एमएमटीसी में इसको लेकर काफी सजग हैं तथा पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ सरकार की इस राजभाषा नीति को अपने सभी कार्यालयों में लागू कर रहे हैं। तथापि, इस दिशा में हमें और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

4. कंपनी में हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ाने के लिए, एक अपर महाप्रबंधक स्तर कार्मिकों के लिए तथा दूसरी महाप्रबंधक तथा उससे ऊपर के कार्मिकों के लिए, दो प्रभावी तथा आकर्षक हिंदी प्रोत्साहन योजना लागू है जो कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित कर रही है। इसके अतिरिक्त कंपनी में 'मणिकांचन' हिंदी तिमाही पत्रिका का प्रकाशन भी ही हो रहा है। इस पत्रिका का पिछला अंक बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की 125वीं जयंती पर विशेषांक के रूप में निकाला है। इस पत्रिका के माध्यम से कर्मचारियों को उनकी हिंदी में लिखी रचनाओं को प्रकाशित व प्रसारित करने का अवसर मिलता है। कम्प्यूटर पर हिंदी में काम करना आसान बनाने के लिए कंपनी के सभी कम्प्यूटरों पर यूनिकोड-हिंदी की सुविधा मुहैया कराई गई है। आवश्यकता केवल इन सुविधाओं का उपयोग कर हिंदी में ज्यादा से ज्यादा काम करने की है।

मैं इस अवसर पर आप सभी का आह्वान करते हुए आग्रह करना चाहूंगा कि आप अपना अधिक से अधिक काम हिंदी में ही करें। यह हमारे लिए, हमारी कंपनी तथा देश दोनों के लिए गौरव की बात होगी।

शुभकामनाओं सहित।

  
(वेद प्रकाश)

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 12 सितम्बर, 2016